Q 1. कर्नाटक युद्धों की चर्चा करते हुए, भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार के दृष्टिकोण से इनके महत्व को स्पष्ट कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

Discuss the Carnatic Wars, explain their significance with reference to the expansion of the British Empire in India. (250 words, 15 marks)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

कर्नाटक युद्ध ब्रिटिश और फ्रांसीसी व्यापारिक कम्पनियों की विस्तारवादी महत्वाकांक्षा का परिणाम था जिसमें अंततः ब्रिटिशों की विजय हुई।

तीन कर्नाटक युद्ध

(i) प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-48):-

→ कारण - आस्ट्रिया का उत्तराधिकार युद्ध

→ 1746 में फ्रांसीसियों ने सेंट थोमे के युद्ध में कर्नाटक के नवाब को पराजित किया।

→ समाप्ति - एक्स ला शेपल की संधि - (1748)

⇒ फ्रांस ने लुईसबर्ग पर अपना अधिकार छोड़ा तथा ब्रिटेन ने मद्रास वापस देने पर सहमति व्यक्त की।

(ii) द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749-54):-

कारण:- हैदराबाद और कर्नाटक के मध्य उत्तराधिकार का संघर्ष

→ 1749 में अम्बूर के युद्ध में फ्रांसीसी गुट की विजय परन्तु अंततः दोनों गुटों में सर्वोच्चता

का फैसला नहीं हो पाया।

↳ समाप्ति :- पाण्डिचेरी की संधि (1755)

(iii) तृतीय कर्नाटक युद्ध (1758-63) :-

↳ कारण :-

यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका में सप्तवर्षीय युद्ध

1760 - वांडीवाश का युद्ध → फ्रांसीसी निर्णायक रूप से पराजित

↳ समाप्ति :- पेरिस की संधि (1763) → फ्रांसीसियों द्वारा भारत में सेना न रखने और व्यापारिक किलेबंदी न करने का आश्वासन दिया गया।

ब्रिटिश विस्तार के दृष्टिकोण से कर्नाटक युद्ध का महत्व

(i) इस युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया कि एक छोटी अनुशासित सेना भी बहुत बड़ी भारतीय सेना को आसानी से पराजित कर सकती है।

(ii) नौसेना का महत्व बढ़ा।

(iii) यूरोपीय सफलता के लिए भारतीय सत्ता का सहयोग आवश्यक नहीं था बल्कि भारतीय सत्ता स्वयं यूरोपीय समर्थन पर निर्भर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

होती जा रही थी।

(iv) फ्रांसीसियों का राजनीतिक प्रभाव लगभग समाप्त हो गया।

(v) भारतीय उपमहाद्वीप में ब्रिटिश सर्वोच्च यूरोपीय शक्ति बन गयी।

तीन कर्नाटक युद्धों के उपरोक्त महत्व से स्पष्ट है कि कर्नाटक युद्ध में ब्रिटिशों की सफलता ने उन्हें मैसूर, मराठा, सिख राज्य सहित सम्पूर्ण भारत में साम्राज्य विस्तार करने के लिए प्रेरित किया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

Q 2. प्लासी की लड़ाई के कारणों व परिणामों का संक्षेप में वर्णन कीजिये। (150 शब्द/10 अंक)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Briefly describe the causes and consequences of the Battle of Plassey.
(150 words/10 marks)

Candidates must not write on this margin

बंगाल में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। वस्तुतः अंग्रेज वर्षों से बंगाल में अपनी राजनीतिक एवं आर्थिक सत्ता स्थापित करना चाहते थे तथा उन्हें प्लासी के युद्ध में यह अवसर मिला।

प्लासी की लड़ाई के कारण

i) मुगल सम्राट द्वारा अंग्रेजों को दिए गए व्यापारिक अधिकारों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग।

ii) ब्रिटिश कम्पनी के कर्मचारियों द्वारा कर एवं शुल्क का भुगतान न करना।

iii) नवाब द्वारा ब्रिटिशों को अपने स्थानों की किलेबंदी न करने देने का आदेश दिया गया था जिसका ब्रिटिशों द्वारा उल्लंघन किया जाता।

iv) बंगाल के नवाब के शत्रुओं को संरक्षण प्रदान करना।

v) नवाब पर अलीनगर की संधि के उल्लंघन का आरोप

vi) ब्लैक होल त्रासदी की घटना।

vii) दरबारी षडयंत्र में ब्रिटिश अधिकारियों तथा विशेषतः क्लाइव एवं नवाब के रिश्तेदारों की सांठगांठ।

KGS IAS

उपरोक्त सभी कारणों से 23 जून, 1757 को प्लासी का युद्ध हुआ जिसमें ब्रिटिश विजयी हुए। इसके निम्न परिणाम हुए:-

(i) प्लासी विजय ने बंगाल क्षेत्र में अंग्रेजों को प्रमुख सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित किया।

(ii) बंगाल में राजनीतिक अशांति का दौर प्रारंभ हुआ। मीर जाफर के बाद मीर कासिम को नवाब बनाया गया जिनसे क्लाइव ने अत्यधिक धन एवं उपहार वसूल किया।

(iii) बंगाली अर्थव्यवस्था का दोहन प्रारंभ

(iv) बंगाल के प्रशासन एवं अधिकारियों की नियुक्ति में कम्पनी का हस्तक्षेप

(v) कम्पनी की महत्वाकांक्षा में वृद्धि

(vi) बंगाल के संसाधनों का प्रयोग भारतीय वस्तुओं को खरीदने एवं साम्राज्य विस्तार के लिए किया गया।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि इतिहास में इतना प्रभावित करने वाला युद्ध कभी नहीं लड़ा गया। संभवतः यह अतिशयोक्ति होगा, परन्तु निश्चय ही भारत पर अधिकार प्राप्त करने की श्रृंखला में यह एक महत्वपूर्ण कड़ी थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Q 3. अंग्रेजों द्वारा टीपू सुल्तान को तत्कालीन सबसे महत्वपूर्ण शत्रु के रूप में माना गया । इसके कारणों की व्याख्या कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

Tipu Sultan was considered by the British as the most important enemy of that time. Explain your reason. (150 words, 10 marks)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

टीपू सुल्तान को न केवल ईस्ट इंडिया कम्पनी बल्कि सम्पूर्ण ब्रिटिश साम्राज्य के लिए खतरा माना जाने लगा था। उसके द्वारा किए गए सैन्य व आर्थिक सुधारों ने ब्रिटिश सत्ता के समक्ष चुनौती उत्पन्न कर दी थी।

टीपू सुल्तान द्वारा किए गए प्रयासों को निम्न रूप में देखा जा सकता है:-

आर्थिक क्षेत्र में सुधार

- किसानों से सीधे भूराजस्व वसूली
- यूरोपीय कम्पनियों की तरह व्यापारिक कम्पनी की स्थापना के प्रयास (असफल)
- अरब देशों में व्यापारिक प्रतिनिधियों की नियुक्ति
- मसालों के व्यापार पर एकाधिकार
- रेशम उद्योग का विकास

सैन्य सुधार
→ यूरोपीय तर्ज पर सेना का आधुनिकी-करण
→ परम्परागत भारतीय हथियारों के साथ तोपखानों और रॉकेट जैसी तकनीकी पर बल
→ नौवहन विभाग/बोर्ड की स्थापना
→ अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयास
→ फ्रांसीसी क्रांति के सुधारों से प्रेरित → उदा०- जैकोबियन क्लब की सदस्यता ग्रहण ग्रहण करना तथा श्रीरंगपट्टनम् में स्वतंत्रता का वृक्ष लगवाना

टीपू सुल्तान के उपरोक्त सभी सुधारों ने जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव दर्शाया जिससे ब्रिटिश उनके शत्रु बन बैठे। जिसकी झलक हमें तृतीय एवं चतुर्थ आँग्ल आँग्ल मैसूर युद्ध में देखने को मिलती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

Q 4. वैलेजली ने किन राज्यों के साथ सहायक संधि की ? इसके प्रावधान क्या थे ?अंग्रेजों के दृष्टिकोण से यह किस प्रकार लाभप्रद था ? (150 शब्द, 10 अंक)

Which of the states did Wellesley make subsidiary alliance ? What were its provisions ? How was it beneficial from the British point of view ? (150 words, 10 marks)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

अँग्रेजों द्वारा भारत में साम्राज्य विस्तार के क्रम में अपनाई गई नीति, जिसके अंतर्गत भारतीय राज्यों को सुरक्षा के लिए अँग्रेजों पर निर्भर बनाया गया, को सहायक सँधि कहा जाता है।

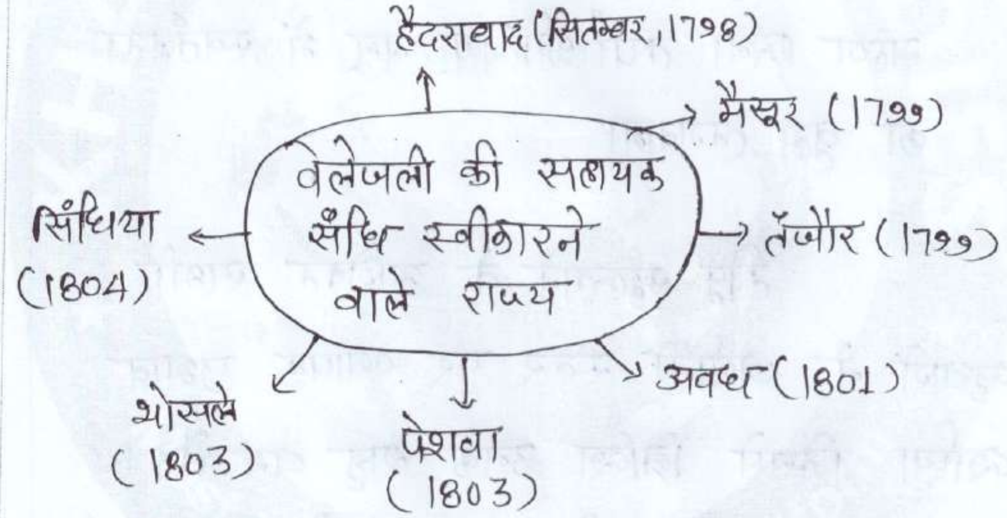

सहायक सँधि के प्रावधान

- सँधिकर्ता राज्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी कम्पनी पर होगी।
- सुरक्षा के एवज में पैसों के साथ-साथ संप्रभुतायुक्त भू-भाग दिया जाना
- निर्भर राज्यों की विदेश नीति कम्पनी द्वारा

संचालित होगी।

- कम्पनी की अनुमति के बिना किसी यूरोपियन को अपनी सेवा में नहीं रखेंगे।

- निर्भर राज्यों के दरबार में एक ब्रिटिश रेजीमेंट होगी, जो आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

उपर्युक्त प्रावधान अंग्रेजों के लाभ द्वारा निर्देशित थे यथा- साम्राज्य विस्तार, आय में वृद्धि, व्यापार सुरक्षा, महत्वपूर्ण स्थानों पर अंग्रेजों का नियंत्रण, भारत में ब्रिटिश सैनिकों की संख्या में वृद्धि आदि।

सहायक संधि ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी और भारतीय रियासतों के मध्य की ऐसी संधि थी जिसके आधार पर भारतीय राज्यों ने अंग्रेजों के हाथों में अपनी संप्रभुता खो दी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Q 5. अंग्रेजों द्वारा सिंध विजय की आवश्यकता क्यों हुई? व्याख्या कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

Why was there a need to conquer Sindh by the Britishers? Explain. (150 words, 10 marks)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

ब्रिटिशों द्वारा वर्ष 1843 में गवर्नर जनरल लार्ड एलनबरो तथा चार्ल्स नेपियर के नेतृत्व में सिन्ध को जीता गया।

अंग्रेजों द्वारा सिन्ध विजय की आवश्यकता

(i) सिन्ध व्यापारिक, सामरिक एवं राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था। यहां से फारस की खाड़ी से होने वाला व्यापार भी संपादित होता था। साथ ही वैदेशिक संबंधों की दृष्टि से भी सिन्ध काफी महत्वपूर्ण था।

(ii) अफगानिस्तान एवं फारस के रास्ते सिंध से होते हुए भारत पर आक्रमण किया जा सकता था। अतः रूसी प्रसार को रोकने तथा फ्रेंच आक्रमण से सुरक्षा की दृष्टि से सिन्ध पर ब्रिटिश प्रभाव स्थापित करना आवश्यक था।

(iii) पंजाब व अफगानिस्तान विजय हेतु सिंध एक महत्वपूर्ण राज्य था।

(iv) सिन्ध क्षेत्र ब्रिटिशों के लिए एक महत्वपूर्ण

KGS IAS

सैन्य बेस एवं बाजार बन सकता था।

हालांकि ब्रिटिशों द्वारा सिंध विजय साम्राज्यवादी मंशा से किया गया था परन्तु सिन्ध क्षेत्र में बाद में ब्रिटिशों द्वारा व्यापक संरचनात्मक सुधार किए गए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin